TO BE PUBLISHED IN PART-II SECTION 3(ii) OF THE GAZETTE OF INDIA

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF REVENUE
CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

NEW DELHI, THE 28/7/ 1999

NOTIFICATION
(INCOME TAX)

S.O. No. In exercise of the powers conferred by the sub-clause (iv) of clause(23C) of section 10 of the Income-tax Act,1961(43 of 1961), the Central Government hereby notifies **"Sir Ratan Tata Trust, Mumbai"** for the purpose of the said sub-clause for the assessment years **1999-2000, 2000-2001 and 2001-2002** subject to the following conditions, namely:

(iv) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;

(v) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above other wise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

(vi) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

Bhadra
(SAMAR BHADRA)
UNDER SECRETARY TO THE GOVERNMENT OF INDIA

NOTIFICATION NO. 1/012 **(F.NO. 197/63/ 98-ITA-I)**

To

The Manager,
Government of India Press,
Ring Road, Mayapuri Industrial Area,
(Near Rajouri Garden), New Delhi.

भारत के राजपत्र के भाग II, खण्ड 3(ii) में प्रकाशनार्थ

भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
राजस्व विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 28/7/99

अधिसूचना

(आय-कर)

का.आ.संख्या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड 23-ग के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा " सर रतन टाटा ट्रस्ट, मुंबई " को कर निर्धारण वर्ष 1999-2000, 2000-2001 और 2001 - 20002 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप-खण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :-

(i) कर-निर्धारिती उसकी आय का इस्तेमाल अथवा उसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(ii) कर निर्धारिती उपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर, फर्नीचर अथवा किसी अन्य वस्तु, के रूप में प्राप्त तथा रखरखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो, जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

समर भद्र
(समर भद्र)
अवर सचिव, भारत सरकार

अधिसूचना सं0 11012

(फा0 सं0 197/63/98 - आ·क·नि·I)

सेवा में,

प्रबन्धक,
भारत सरकार मुद्रणालय,
रिंग रोड, मायापुरी औद्योगिक क्षेत्र,